

वायु प्रदूषण का बढ़ने लगा खतरा, गर्भवती महिलाओं को ज्यादा रиск, ऐसे करें बचाव

इस महीने की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है. ऐसे में डॉक्टरों ने अलर्ट किया है. डॉक्टरों का कहना है कि अभी से लोगों को वायु प्रदूषण से बचाव करना होगा. इसके लिए डॉक्टरों ने कुछ टिप्स साझा किए हैं. मौसम में परिवर्तन और ठंड शुरू होने के साथ ही दिल्ली और एनसीआर समेत कई इलाकों में वायु प्रदूषण के स्तर में इजाफा होने लगा है. बढ़ते खतरों को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रेफ़ का पहला चरण भी शुरू करने का आदेश दिया गया है. प्रदूषण की वजह से सेहत पर भी गंभीर असर होता है. इससे लंग्स इंफेक्शन, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारी हो जाती है. प्रदूषण का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को होता है. डॉक्टरों का कहना है कि प्रेनैट महिलाओं को अभी से उनकी सेहत का ध्यान रखना होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का लेवल बढ़ेगा. अगर अभी से सावधानी बरती तो भविष्य में गंभीर खतरों से बचाव हो सकता है. गुरुग्राम के मैक्स हॉस्पिटल्स में एसोसिएट डायरेक्टर (ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी) और औरा स्पेशलिटी क्लीनिक की डायरेक्टर डॉ. रि तु सेठी बताती हैं कि वायु प्रदूषण के बढ़ने की वजह से लोगों को कई तरह की परेशनियां होती हैं. जिन लोगों को पहले से ही सांस संबंधित बीमारियां हैं उनको अधिक खतरा रहता है. खासतौर पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बढ़ते प्रदूषण के कारण ज्यादा परेशानी होती है. हालांकि अभी प्रदूषण अधिक नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा. ऐसे में अभी से बचाव करना जरूरी है. प्रदूषण से बचाव नहीं किया तो गर्भवती महिला को कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. **प्रेनैटमहिलाओं को खतरा** डॉ. रि तु सेठी बताती हैं कि वायु प्रदूषण का लेवल बढ़ने से गर्भवती महिलाओं को सांस की परेशानी हो जाती है. जिन महिलाओं को पहले से ही अस्थमा है तो उनकी बीमारी अचानक बढ़ने लगती है. अस्थमा अटैक नहीं है तो भी सांस लेने की परेशानी हो सकती है. इसके साथ ही घबराहट भी होती है. बढ़ते प्रदूषण का असर गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे पर भी पड़ सकता है. बच्चे को जन्म के बाद में आईसीयू में भर्ती करने की जरूरत पड़ सकती है. कुछ मामलों में प्रीमैच्योर बर्थ होने का भी रиск रहता है. ऐसे में महिलाओं को वायु प्रदूषण से बचाव करना होगा. इसके लिए इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं. **ऐसे करें बचाव** ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें सुबह के समय घर से बाहर न निकलें अगर सांस लेने में परेशानी हो रही है तो डॉक्टर से सलाह लें रोज सुबह योग करें अधिक प्रदूषण तो बाहर मास्क लगाकर निकलें

वायु प्रदूषण और महिलाओं के मोटापे का है कोई संबंध, शोध ने बताया क्या!

अधेड़ उम्र की महिलाओं में वायु प्रदूषण के असर के कारण वे मोटी (Obese) होती जा रही हैं. (तस्वीर: Wikimedia Commons) अधेड़ उम्र की महिलाओं में वायु प्रदूषण के असर के कारण वे मोटी (Obese) होती जा रही हैं.



समस्याओं का सामना करना पड़ता है. वायुमंडलीय प्रदूषकों से गहरा नाता

मोटापा एक वृहद वैश्विक समस्या होती जा रही है. बेशक यह कोई रोग नहीं है लेकिन आज के दौर में यह एक साथ कई बीमारियों (Disease) के होने की वजह बन जाता है. मोटापा लाइफस्टाइल की कई खामियों के होने का संकेतक भर है, जो कि अस्वस्थ खुराक, कसरत की कमी, अनुवांशिकी या फिर इन सभी समस्याओं का होना बताता है. लेकिन क्या पर्यावरण में कोई ऐसा कारक है जिसका मोटापे से संबंध. अगर नए अध्ययन की माने तो वायुप्रदूषण (Air Pollution) और महिलाओं में अधिक वजन के बीच में एक संबंध है. जो कि साधारण लोगों के लिए ही नहीं बल्कि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए भी एक चौंकाते वाला नतीजा है.

50 साल के आसपास की उम्र की महिलाएं

यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के शोधकर्ताओं ने अपने नए अध्ययन में इस अप्रत्याशित संबंध की खोज है. इस अध्ययन के प्रथम लेखक जिन वांग के मुताबिक उम्र के 40 और 50 साल के दशक में पहुंच चुकीं जो महिलाएं वायुप्रदूषण का लंबे समय से सामना कर रही हैं, जिससे उनका शारीरिक भार अनुपात. कमर का आकार और शरीर का फैट बढ़ने लगता है. जिस वजह से उन्हें सेहत संबंधी अन्य

इन नकारात्मक प्रभावों का नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओजोन और उच्च स्तर के महीन कणों से विशेष संबंध है जो प्रमुख वायु प्रदूषक के तौर पर जाने जाते हैं. शोधकर्ताओं ने लिखा है कि इस अध्ययन में उन्होंने अमेरिका की 1654 श्वेत, अश्वेत, चीनी और जापानी महिलाओं को शामिल किया था जिनकी औसत उम्र साल 2000 से 2008 के बीच में 49.6 साल थी.

शरीर संरचना के मापन

शोधकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने प्रतिभागियों के रिहायशी पतों के आधार पर उनके इलाकों के वायु प्रदूषण की मात्रा से जोड़ा. प्रतिभागियों के आकार का मापन और शरीर संरचना का मापन करीब साल में एक बार की मुलाकातों में डीएक्सए का उपयोग किया गया. इससे पता चल सका है कि मोटापे को वास्तव में वायुप्रदूषण के कौन से कारक प्रभावित करते हैं.

प्रतिमान का उपयोग

शोधकर्ताओं ने रेखीय मिश्रित प्रभावों वाले



प्रतिमानों का उपयोग किया जिसमें उन्होंने वायुप्रदूषण और शरीर के आकार और संरचनात्मक मापनों के बीच संबंध का परीक्षण किया और यह भी जानने की कोशिश की कि इन संबंधों में किन भौतिक गतिविधियों की वजह से अंतर आ रहा है. और किन कारणों ने सेहत में निर्णायक बदलाव आ रहे हैं.

कई कारकों में बदलाव

इस अध्ययन के नतीजों के विश्लेषणों ने दर्शाया कि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने का संबंध शरीर में ज्यादा फैट, उच्च अनुपात फैट, और मध्य उम्र की

महिलाओं में निम्न कमजोर भार से है. जैसे इसमें से शरीर का फैट 45 प्रतिशत यानि करीब 2.6 पाउंड या 1.18 किलोग्राम तक बढ़ा पाया गया था. इसी तरह के नतीजे बाकी कारकों में भी देखने को मिले.

वायु प्रदूषण (Air Pollution) से वजन बढ़ने, शरीर का आकार बढ़ने जैसे कई कारक तत्व प्रभावित होते हैं. (प्रतीकात्मक तस्वीर: shutterstock)

शारीरिक गतिविधि

इसके अलावा शोधकर्ताओं ने शरीर संरचना के

लिए लिहाज से वायु प्रदूषण और शारीरिक गतिविधि के बीच संबंध की भी पड़ताल की. उन्होंने पाया कि उच्च स्तर की शारीरिक गतिविधि प्रभावी रूप से शारीरिक संरचना के बदलावों को कम कर सकती है जिनका संबंध वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से है.

यह अध्ययन डाइबिटीज केयर में प्रकाशित हुआ है. इस शोध में वांग ने समझाया कि चूंकि इस अध्ययन ने मध्य उम्र की महिलयाओं को लक्षित किया था, इसलिए इस अध्ययन की पड़ताल के नतीजों को पुरुषों और दूरी उम्र की महिलाओं के लिए समान्य रूप से लागू नहीं होता है.

रसोई गैस ने 55% महिलाओं को सांसों की बीमारी से बचाया, 2022 में 32 लाख मौतों की वजह बना घरेलू वायु

2014 के बाद से बढ़ाए गए एलजीपी गैस नेटवर्क और खास तौर पर गरीब परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए 9.59 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन का ही परिणाम है कि 55 प्रतिशत महिलाओं में सांसों की बीमारी कम दर्ज की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट कहती है कि 2020 में विश्व में करीब 32 लाख लोगों की मौत का कारण हानिकारक घरेलू वायु प्रदूषण रहा।

उज्ज्वला कनेक्शन बढ़ाने के फैसला 29 अगस्त (मंगलवार) को उज्ज्वला कनेक्शन बढ़ाने के फैसले को बेशक राजनीतिक चरम से ही देखा जाएगा लेकिन इस निर्णय का सबसे बड़ा पहलू महिला सशक्तीकरण और स्वास्थ्य से जुड़ा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट कहती है कि 2020 में विश्व में करीब 32 लाख लोगों और पांच वर्ष से कम आयु के 237000 बच्चों की मौत का कारण हानिकारक घरेलू वायु प्रदूषण रहा। सांस संबंधी बीमारियां महिलाओं के लिए बनी हुई थीं खतरा भारत में भी खास तौर पर ग्रामीण आबादी इस संकट से जूझ रही थी। खास तौर पर सांस संबंधी बीमारियां महिलाओं के लिए खराब बनी हुई थीं। दरअसल, भारत में एलपीजी 1950 के दशक में आई, लेकिन वर्ष 2014 तक सिर्फ 14.5 करोड़ परिवारों को ही गैस कनेक्शन मिल सका। इसका कारण सीमित गैस वितरण नेटवर्क भी था। मोदी सरकार में उज्ज्वला के पहले और दूसरे चरण में मिलाकर कुल 9.59 करोड़ गरीब परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

क्या कहते हैं एलपीजी नेटवर्क के आंकड़े ? सरकार ने कुल एलपीजी नेटवर्क को



भी बढ़ाया। 2014 तक नेशनल एलपीजी कवरेज 55.90 प्रतिशत था, जो अप्रैल 2023 में 105.1 प्रतिशत हो गया। इसी

तरह कुल सक्रिय एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 2014 की तुलना में 1451.76 से बढ़कर 3140.33 लाख हो गए हैं।

आंकड़े उस मिथक को भी नकारते हैं कि उज्ज्वला के लाभार्थी महंगाई की वजह से सिलेंडर दोबारा नहीं भरा पा रहे। सरकार

के मुताबिक, वर्ष 2022-23 में उज्ज्वला के लाभार्थियों ने 35 करोड़ से अधिक सिलेंडर रीफिल कराए हैं।

पांच राज्यों के चुनावों में युवाओं और महिला मतदाताओं पर है सर्वाधिक दारोमदार

उमेश चतुर्देली
इस लिहाज से देखें तो औसतन हर सीट पर करीब 9722 नए वोटर होंगे। लेकिन प्रति सीट नए वोटर के लिहाज से राजस्थान की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में पहली बार करीब 22 लाख चार हजार वोटर वोट डालने जा रहे हैं। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। राजनीतिक दलों के सियासी जोड़-घटाव में जुड़ना स्वाभाविक है। लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों पर भरोसा करें तो इन चुनावों में सबसे अहम भूमिका युवा मतदाताओं की होने जा रही है। माना जा रहा है कि जिन्होंने युवाओं को साथ लिया, जीत उसके हाथ लगने की संभावना ज्यादा है। इसकी वजह है, इन राज्यों में नए वोटर बने कुल मतदाताओं की संख्या। पांचों राज्यों में पहली बार करीब साठ लाख वोटर मतदान करने वाले हैं। जाहिर हैं कि उनमें पहली बार वोट डालने का उत्साह है और वे अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग भी पूरे उत्साह से करेंगे। जिन राज्यों में चुनाव रहे होंगे, उनमें जनसंख्या के लिहाज सबसे बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है। यहां सबसे ज्यादा 22 लाख 36 हजार नए वोटर बने हैं। राज्य में 230 विधानसभा सीटें हैं। इस लिहाज से देखें तो औसतन हर सीट पर करीब 9722 नए वोटर होंगे। लेकिन प्रति सीट नए वोटर के लिहाज से राजस्थान की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में पहली बार करीब 22 लाख चार हजार वोटर वोट डालने जा रहे हैं। राज्य

की 200 विधानसभा सीटों के लिहाज से देखें तो हर सीट पर करीब 11020 नए वोटर होंगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सात लाख 23 हजार नए वोटर बने हैं। जिनका प्रति सीट औसत आठ हजार 33 हो रहा है। नए वोटरों के रुझान और उससे पड़ने वाले सियासी प्रभावों के पहले तीनों राज्यों में महिला वोटरों की संख्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं के मतदान का रुझान अपने परिवारों से कुछ अलग नजर आया है। पहले माना जाता रहा कि परिवार के पुरुष मुखिया के वैचारिक रुझान के हिसाब से ही महिलाएं भी वोट देती रही हैं। लेकिन अब महिलाएं अपनी पसंद के हिसाब से वोट डालने लगी हैं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में मोदी की जीत के पीछे महिलाओं और युवा वोटरों का साथ माना गया था। छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या ज्यादा है। यहां के एक करोड़ एक लाख पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या एक करोड़ दो लाख है। जाहिर है कि हर सीट पर करीब 1111 महिला वोटर पुरुष वोटरों की बनिस्बत ज्यादा हैं। हालांकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में ऐसी स्थिति नहीं है। राजस्थान में दो करोड़ 74 लाख वोटरों के सामने करीब दो करोड़ 52 लाख ही महिला वोटर हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के दो करोड़ 88 लाख पुरुष वोटरों के अनुपात में महिला वोटरों की संख्या दो करोड़ 72 लाख ही है। इन आंकड़ों पर फौरी तौर पर निगाह देने की जरूरत विगत के मतदान में युवा और महिला वोटरों की भागीदारी का रुझान है। दोनों वर्गों के मतदाताओं ने जिसे चाहा, जीत उसे ही हासिल हाई। विगत के हिमाचल चुनावों में महिलाओं ने कांग्रेस को सबसे ज्यादा समर्थन दिया, जिसकी वजह से कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले कुल 36 हजार से कुछ ज्यादा मत



मिले और वह जीत हासिल करने में कामयाब रही। कुछ ऐसी ही स्थिति कर्नाटक में भी रही। वहां के स्थानीय मुद्दों खासकर पांच गांरटी और महंगाई ने महिलाओं और युवाओं को ज्यादा लुभाया। इस लिहाज से देखें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में भी महिला और युवा वोटर बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। शायद यही वजह है कि तीनों ही राज्यों के दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों की कोशिश महिलाओं और युवाओं को रझाने की है। महिला सम्मान निधि और

युवाओं को बेरोजगारी भत्ता आदि देने के जो दनादन वायदे किये जाते रहे, उसकी वजह यही रही। साल 1989 के चुनावों के पहले तत्कालीन राजीव सरकार ने युवाओं के मतदान के लिए उम्र सीमा को 21 से घटाकर 18 साल कर दिया था। राजीव को उम्मीद थी कि उन्हें युवाओं का साथ मिलेगा। साल 2014 के ठीक पहले सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न देने के पीछे तत्कालीन कांग्रेस सरकार की सोच सचिन को सम्मानित करने के साथ ही इसके जरिए युवाओं में पैठ बनाने की थी। यह बात और है कि दोनों ही बार कांग्रेस

का दांव नाकाम रहा। चुनावी पंडित मानते हैं कि राजीव की हार में नए बने करोड़ों वोटरों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। हाल के वर्षों में महिलाओं ने जिस तरह खुलकर अपनी पसंद के हिसाब से मतदान करना और राजनीति उम्मीदवार को चुनना शुरू किया है, वह अब छुपा नहीं है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में विपरीत हालात के बाद नीतीश को जीत मिली, उसकी बड़ी वजह महिलाओं का समर्थन रहा। इसी तरह 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में योगी सरकार को

महिलाओं ने खूब समर्थन दिया। पश्चिम बंगाल में ममता के साथ महिला वोटर पूरे दम के साथ खड़ी रहीं। इन चुनावों के नतीजे सामने हैं। इस लिहाज से देखें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों पर बड़ा दारोमदार महिलाओं पर ही होगा। छत्तीसगढ़ में तो महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा ही हैं, इसलिए वहां तो यह साफ लग रहा है कि जिधर महिलाएं गईं, उसी के नेता के सिर ताज होगा। उनके वोटों में अगर युवाओं का साथ मिल गया तो उस दल के लिए वह सोने पर सुहागा ही होगा।

भाजपा पर अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने का आरोप, AAP ने चुनाव आयोग में की शिकायत

आप सांसद राघव चड्ढा ने 05 नवंबर की एक पोस्ट पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने की कोशिश करने के लिए घटिया सामग्री का उपयोग कर रही है। वे उनके चरित्र के हनन की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर आप ने चुनाव आयोग में सोमवार को शिकायत दी और उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर अरविंद केजरीवाल की छवि को खराब करने का आरोप लगाया है। इसको लेकर आप ने चुनाव आयोग में सोमवार को शिकायत दी और उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आप ने भाजपा पर दिल्ली के मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया पर बेतुकी सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

चुनाव आयोग में पहुंचा AAP का प्रतिनिधिमंडल

आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा एक प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग में शिकायत देने पहुंचे। राघव चड्ढा ने कहा कि आप के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से शिकायत का संज्ञान लेने और भाजपा के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

पीएम मोदी के खिलाफ पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस

उन्होंने 05 नवंबर की एक पोस्ट पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने की कोशिश करने के लिए घटिया सामग्री का उपयोग कर रही है। वे उनके चरित्र के हनन की कोशिश कर रहे हैं। खास बात है कि पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी को लेकर अरविंद केजरीवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

साथ ही चुनाव ने आयोग ने 16 नवंबर तक चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप का जवाब देने को कहा था। इसके एक दिन बाद राघव चड्ढा ने भाजपा पर दिल्ली मुख्यमंत्री की छवि खराब करने का आरोप लगाया और चुनाव आयोग से शिकायत करने की बात कही थी।



दिल्ली में फिर बढ़ने लगा प्रदूषण, दो दिन राहत के बाद गंभीर श्रेणी में पहुंची हवा

परिवहन विशेष न्यूज
दो दिन की थोड़ी राहत के बाद दिल्ली में फिर से प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। सोमवार को दिल्ली के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में 47 अंकों की वृद्धि हो गई। तीन इलाके ऐसे भी ऐसे जहां का एक्यूआई 400 से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। अगले तीन दिनों तक कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

नई दिल्ली। दो दिन की आंशिक गिरावट के बाद दिल्ली में एक बार फिर ले प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। एक दिन पहले की तुलना में सोमवार को दिल्ली के एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) में 47 अंकों की वृद्धि हो गई। तीन इलाके ऐसे भी ऐसे जहां का एक्यूआई 400 से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। अगले तीन दिनों तक कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

तीन इलाकों में गंभीर श्रेणी में हवा
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई (AQI) 348 रहा। इस स्तर की हवा को बहुत खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शनिवार को यह 301 रहा था। चौबीस घंटे के भीतर इसमें 47 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। चिंता की बात यह है कि दिल्ली के तीन इलाके ऐसे भी हैं, जहां पर प्रदूषण स्तर एक बार फिर से गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है।

मानकों के मुताबिक, हवा में अगर पीएम 10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का



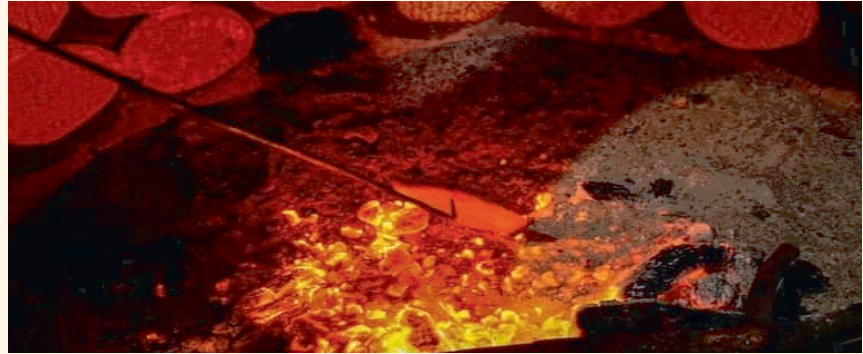
स्तर 60 से कम होता है तो उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर की हवा में सोमवार शाम चार बजे प्रदूषक कण पीएम 10 का औसत स्तर 294 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 167 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। इसका मतलब है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा लगभग तीन गुना ज्यादा है।

इन तीन इलाकों की हवा रही गंभीर श्रेणी में

पंजाबी बाग - 417
जहांगीरपुरी - 402
बवाना - 416
हॉटस्पॉट भी बन रहे समस्या का सबब
दिल्ली में 13 हॉटस्पॉट हैं, जहां सबसे ज्यादा प्रदूषण रहता है। इन्हें चिन्हित किए हुए, कई साल हो गए हैं, हर साल ही यहां प्रदूषण की रोकथाम के विशेष प्रयास करने का दावा भी किया जाता है। लेकिन यहां पर प्रदूषण का स्तर

अभी भी अन्य जगहों की तुलना में ज्यादा है।
इन इलाकों में 400 के पार ऊपर AQI
सोमवार को जिन तीन स्थानों पंजाबीबाग, जहांगीरपुरी और बवाना का सूचकांक (AQI) 400 के ऊपर रहा, वे सभी हॉटस्पॉट की श्रेणी में शामिल हैं। इसके अलावा रोहिणी, वजीरपुर, मुंडका हाट स्पाट पर भी प्रदूषण का स्तर अन्य जगहों की तुलना में ज्यादा दर्ज किया गया।

शादी-सीजन में एमसीडी तंदूर पर रोटी सेक रही है



परिवहनविशेष। नई दिल्ली। एसडी सेटी। राजधानी दिल्ली में बढ़ते पल्यूशन को लेकर एमसीडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली में तंदूरी रोटी खाने वालों के मुंह से निवाला छीन लिया है। निगम ने प्रदूषण-कंट्रोल के नाम पर शादी के सीजन में तंदूरों को भी ठंडा करवा दिया है। जबकि देव उठावनी के बाद राजधानी दिल्ली में शादियों का शुभ मुहूर्त है। इस दौरान बड़ी संख्या में शादियां होंगी। अब बरातियों को तंदूर की नॉन,मिस्सी,भरवा परांठा, और सादी रोटी तक नहीं मिल पाएंगी। इसके लिए निगम के पौ बारह होते दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली नगर निगम की 215 टीमें अब तक 1040 तंदूर जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। निगम ने अब तक 2

करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी वसूल लिया है। निगम के साउथ जोन में करीब 335 तंदूर जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसी तरह वेस्ट जोन में 125, करोल बाग जोन में 89, शाहदरा नार्थ जोन में 84, नरेला जोन में 82, मामले सामने आए हैं। एमसीडी के अधिकारियों के मुताबिक ओपन बर्निंग के 436 चालान काटे गए हैं। इसके अलावा सी एंड डी के 1009 से ज्यादा चालान काटे गए हैं। बता दें कि एमसीडी की तरफ से दिन के समय 114 और रात के वक्त 110 टीमों को सी एंडी वेस्ट, ओपन बर्निंग और तंदूर तंदूर जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैनात किए गए हैं। बहरहाल 12 जोन में तंदूर जलाने के 1040 मामलों पर एक्शन लिया गया है। नजफगढ़

जोन में ओपन बर्निंग के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। 190 लोगों के चालान काटे गए हैं। सा ऊपर जोन में 80, रोहिणी जोन में 51, नरेला में 40, करोल बाग में 35, चालान काटे गए हैं। शादी में तंदूरी रोटी खाने वालों का तो निगम ने तंदूर ठंडा कर दिया है। लोगों का आरोप है कि एमसीडी के कारिंदे पल्यूशन के नाम पर शादी वाले घर और ढाबों समेत अन्य जगहों से मोटी रकम वसूल कर अपनी रोटी सेंक रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गली-गली मुहल्ले से लेकर छोटे बड़े ढाबों, होटलों में लाखों की संख्या में तंदूर पर रोटी, नॉन, और नॉन वेज का भूना जाता है। इस हिसाब से निगम की कांऊंटिंग में दाल में बहुत कुछ काले की बू जरूर आ रही है।

छठी माई हुई विदा, यमुना मइया एक बार फिर कलुषित-प्रदूषित ही छूट गई... LG ने साधा दिल्ली सरकार पर निशाना

एमसीडी कर्मचारियों को दिल्ली सरकार ने बड़ा तोहफा देने का फैसला किया है। सरकार ने दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अकुशल श्रमिकों के लिए मासिक न्यूनतम वेतन 16792 रुपये से बढ़कर 17234 रुपये हो जाएगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए वेतन 18499 रुपये से बढ़कर 18993 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 20375 रुपये से बढ़कर 20903 रुपये हो जाएगा।

नई दिल्ली। छठ महापर्व सोमवार को सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) की सरकार ने 1000 से ज्यादा घाटों की व्यवस्था की थी, जिससे कि छठ पर श्रद्धालुओं को ज्यादा परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, यमुना पर जहरीले सफेद झाग को लेकर आप और एलजी आमने-सामने आ गए।

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए आप सरकार पर यमुना की सफाई न करवाने पर निशाना साधा। इसके अलावा उन्होंने यमुना में गंदगी और सफेद झागों के फोटो भी शेयर किए हैं।



उन्होंने एक्स पर लिखा कि दीनानाथ भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व आज संपन्न हुआ। छठी मईया विदा हुई, यमुना मईया एक बार फिर कलुषित-प्रदूषित ही छूट गई। व्रती-श्रद्धालु एक बार फिर गाद-मलबे और सड़ांध में पूजा अर्चना के लिए मजबूर हुए। नदी में जा कर अर्घ्य अर्पण वर्जित हो गया पर यमुना साफ नहीं हुई।

उन्होंने दूसरे पोस्ट में लिखा साल गुजरते रहे, एक बाद एक वादे किए जाते रहे। यमुना में झाग, सीवर, अपशिष्ट पदार्थ अनियंत्रित रहते हैं। यमुना के किनारे मैदानी इलाके डंप यार्ड और खुले शौचालय में बदल जाते हैं।



LG Delhi
@LtGovDelhi

दीनानाथ भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व आज संपन्न हुआ। छठी मईया विदा हुई यमुना मईया एक बार फिर कलुषित-प्रदूषित ही छूट गयीं। व्रती-श्रद्धालु एक बार फिर गाद-मलबे और सड़ांध में पूजा अर्चना के लिये मजबूर हुये। नदी में जा कर अर्घ्य अर्पण वर्जित हो गया पर यमुना साफ नहीं हुई।

Translate post

हरिनगर में बुलेट सवारों ने कांस्टेबल को मारी टक्कर, फिर थार ने कुचला

हरिनगर थाना इलाके में पहले बुलेट सवारों ने पुलिसकर्मी की बाइक को टक्कर मारी फिर थार चालक ने पुलिसकर्मी पर कार चढ़ा दी और फरार हो गए। रवि कुमार ने बाइक का नंबर याद कर लिया था। उन्होंने पुलिस को नंबर बता दिया है। हरिनगर थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पता लगाने की कोशिश कर रही है।



हरिनगर थाना इलाके में पहले बुलेट सवारों ने पुलिसकर्मी की बाइक को टक्कर मारी फिर थार चालक ने पुलिसकर्मी पर कार चढ़ा दी व फरार हो गए। राहगीर उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल लेकर गए, जहां पर उनका इलाज चल रहा है।

राजौरी गार्डन थाने में तैनात हैं कांस्टेबल
घायल पुलिसकर्मी की पहचान राजस्थान के अलवर के कातोपुर के रवि कुमार के रूप में हुई है। वह राजौरी गार्डन थाने में बतौर कांस्टेबल तैनात हैं। हरिनगर थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बाइक सवारों का चार किमी तक किया पीछा
बुधवार रात को पुलिसकर्मी राजौरी गार्डन के सीटी स्कवेयर माल के पास नजफगढ़ रोड पर सरकारी बुलेट बाइक पर सवार होकर गश्त कर रहे थे। तभी राजा गार्डन चौक की ओर से बुलेट बाइक पर सवार होकर दो लड़के आए। उन्होंने हेलमेट नहीं पहन रखा था व मुंह पर काला कपड़ा बांध रखा था। बाइक चालक धीमे-धीमे बाइक चलाकर चल रहे थे।

पुलिसकर्मी की छाती, मुंह, पैर आदि में आई चोटें
पुलिसकर्मी को शक हुआ कि वह झपटमार हैं और किसी वारदात को अंजाम देने के लिए इलाके में घूम रहे हैं। पुलिसकर्मी ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बाइक सवारों ने और तेज बाइक चलानी शुरू कर दी और सुभाष नगर की तरफ घुस गए। आरोपित किसी वारदात को अंजाम न दे दें इसे रोकने के लिए कांस्टेबल रवि सिंह ने बाइक सवारों के पीछे अपनी बुलेट बाइक लगा दी और उनका पीछा करना शुरू किया।

करीब चार किलोमीटर तक पीछा करते हुए वह हरी नगर के झील वाला पार्क के पास आरोपितों की बाइक से आगे निकल गए। उन्होंने बाइक साइड में धीमी कर बाइक चालकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक चालक नहीं रुके। उन्होंने कांस्टेबल की बाइक को टक्कर मारी व भाग गए। इससे कांस्टेबल बाइक समेत सड़क पर गिर गए। तभी पीछे से तेज रफ्तार में काले रंग की थार आई और उनके ऊपर से होकर गुजर गई। इस वजह से उनकी छाती, मुंह, पैर आदि जगह चोट आई। राहगीरों ने उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

एल्विश यादव से दोबारा पूछताछ करेगी नोएडा पुलिस, रेव पार्टी से बरामद हुए दो कोबरा सांपों को जंगल में छोड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

रेव पार्टी और सर्प विष तस्करी के मामले में रिमांड पर आए राहुल की निशानदेही पर बरामद दो कोबरा को सोमवार को वन विभाग की टीम ने सूरजपुर वेटलैंड स्थित वन क्षेत्र में छोड़ दिया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जंगल ही असल में सांपों के रहने का स्थान है। कोई भी व्यक्ति किसी भी सांप को पकड़कर नहीं रख सकता है।

नोएडा। रेव पार्टी और सर्प विष तस्करी के मामले में रिमांड पर आए राहुल की निशानदेही पर बरामद दो कोबरा को सोमवार को वन विभाग की टीम ने सूरजपुर वेटलैंड स्थित वन क्षेत्र में छोड़ दिया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जंगल ही असल में सांपों के रहने का स्थान है।

कोई भी व्यक्ति किसी भी सांप को पकड़कर नहीं रख सकता है। सांपों को जंगल में छोड़ने के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की थी। वन्यजीव प्रतिपालक और जांच अधिकारी सलोनी समिति की अध्यक्ष जबकि उपक्षेत्रीय वन अधिकारी क्षेत्रपाल सिंह, वन दारोगा लव कोशिक, राकेश कुमार और राम अवतार इसमें सदस्य थे।

दोनों सांप नहीं थे विषैले

कोर्ट के आदेश पारित करने के क्रम में जंगल में सांपों को छोड़ने की वीडियोग्राफी भी कराने की बात कही थी। मेडिकल परीक्षण में दोनों सांप स्वस्थ पाए गए थे। हालांकि इनकी विष ग्रंथि गायब मिली है। दोनों सांप विषैले नहीं थे।

कोर्ट में लगाई थी अर्जी

इसके बाद कोर्ट में वन विभाग की ओर से सांपों को जंगल में छोड़ने की अर्जी लगाई गई थी। स्वीकृति मिलने के बाद इन्हें जंगल में छोड़ा गया। वन विभाग की टीम ने शनिवार को कोबरा का मेडिकल परीक्षण किया था। तीन सदस्यीय डॉक्टर्स की टीम ने सांपों का मेडिकल परीक्षण किया था।

एल्विश यादव मामले में सांप अहम सबूत

मामले में कुल 11 सांप बरामद हुए हैं। पूर्व में बरामद नौ सांपों को जंगल में छोड़ा जा चुका है। यह सभी सांप एल्विश यादव मामले का अहम सबूत हैं। इस कारण सभी सांपों का मेडिकल परीक्षण करना जरुरी था। उसके बाद जंगल में छोड़ दिए गए।

दोबारा हो सकती है एल्विश यादव से पूछताछ

वहीं, एल्विश से दोबारा पूछताछ को लेकर सोमवार को उच्च अधिकारियों की बैठक हुई। आगामी दिनों में गायक फाजिलपुरिया को पूछताछ के लिए पुलिस नोटिस



जारी कर सकती है। जेल भेजे गए राहुल को दो बार, जबकि अन्य चारों को एक बार पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया जा चुका है। मामले में अब पुलिस साक्ष्य संकलन का काम कर रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस खंगाल रही सीडीआर

आरोपित राहुल की निशानदेही पर बरामद रजिस्टर में 60 मोबाइल नंबर मिले हैं। आरोप है कि इन नंबरों से राहुल के पास फोन आया और पार्टी के लिए सांप और जहर लाने के लिए कहा गया।

लोकदल का राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद पहली बार मेरठ पहुंचे विजेंद्र सिंह, हुआ जोरदार स्वागत

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की किसान हितैषी विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रहे राजनैतिक दल लोकदल (Lok Da) ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में ताल ठोंक दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त होने के बाद विजेंद्र सिंह ने पहले मेरठ आगमन पर गाजियाबाद से लेकर मेरठ तदक विशाल रोड शो करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

गुरुग्राम। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की किसान हितैषी विचारधारा

को लेकर आगे बढ़ रहे राजनैतिक दल लोकदल ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में ताल ठोंक दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त होने के बाद विजेंद्र सिंह ने पहले मेरठ आगमन पर गाजियाबाद से लेकर मेरठ तक विशाल रोड शो करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

सड़कों पर उमड़ा लोगों का हुजूम

इस दौरान सैकड़ों ट्रैक्टर और गाड़ियों के साथ लोगों का हुजूम सड़कों पर उमड़ पड़ा। मेरठ में काशी टोल प्लाजा, रोहटा बाँयपास और कंककखेड़ा में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। 60 किलोमीटर लंबे रोड शो के बाद मेरठ सर्किट हाउस पहुंचने से पहले उन्होंने कमिश्नरी जाकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को माल्यार्पण किया। उसके बाद सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव विजेंद्र सिंह ने कहा कि लोकदल ही किसानों की सच्ची हितैषी पार्टी है, लोकदल की स्थापना चौधरी चरण सिंह ने की थी, और हम उनके ही आदर्श को अपनाकर आगे बढ़ रहे हैं। जबकि रालोद उनके आदर्शों को भुला रही है।

किसानों के हक की लड़ाई लड़ेंगे

उन्होंने कहा कि हम पश्चिमी यूपी समेत पूरे उत्तर प्रदेश के किसानों के हक की लड़ाई लड़ेंगे। गन्नाकिसानों की समस्या और कर्जमाफी केलिये बड़ा आंदोलन करेंगे। विजेंद्रसिंह ने कहाकि पूर्वप्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की जयंती पर 23 दिसंबर को पूरे उत्तर प्रदेश में लोकदल किसानों को एकजुट कर बड़े कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

बाइक सवार दो लोगों ने सैलून कर्मी से मोबाइल छीना, पार्क से पैदल घर जा रहा था पीड़ित

गांव चौमा निवासी सागर ने पुलिस को बताया कि वह सैलून में काम करते हैं। वह दो दिन पहले शाम पांच बजे देवी लाल पार्क से सड़क किनारे पैदल चलकर ही घर जा रहे थे। वह मोबाइल पर बात कर रहे थे इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार दो लोगों ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और तेज रफ्तार में फरार हो गए।

गुरुग्राम। पालम विहार थाना क्षेत्र में देवी लाल पार्क से पैदल घर जा रहे एक सैलून कर्मचारी से पीछे से आए बाइक सवार दो लोग मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर लिया।

गांव चौमा निवासी सागर ने पुलिस को बताया कि वह सैलून में काम करते हैं। वह दो दिन पहले शाम पांच बजे देवी लाल पार्क से सड़क किनारे पैदल चलकर ही घर जा रहे थे। वह मोबाइल पर बात कर रहे थे, इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार दो लोगों ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और तेज रफ्तार में फरार हो गए। इन दिनों

मोबाइलफोन छीनने वाला गिरोह सक्रिय है। एक दिन पहले भी एक युवक से मोबाइल फोन छीनकर बाइक सवार युवक फरार हो गए थे।

डीएलएफ फेस तीन में घर के बाहर से बुलेट चोरी

उधर, डीएलएफ फेस तीन थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी बुलेट चोरी हो गई। मूल रूप से दिल्ली के नजफगढ़ निवासी राघव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह यहां किराये से रहकर निजी कंपनी में काम करते हैं। रविवार दोपहर दो बजे उन्होंने बुलेट घर के बाहर खड़ी की थी। जब थोड़ी देर बाद बाहर आए तो बाइक वहां नहीं मिली। उन्होंने बुलेट की कीमत दो लाख रुपये बताई है।



नोएडा और इंदिरापुरम के लोगों की परेशानी खत्म, छठ पूजा के बाद हिंडन बैराज पर रूट डायवर्जन खत्म

गाजियाबाद। छठ पूजा संपन्न होते ही सोमवार सुबह हिंडन बैराज पर रूट डायवर्जन खत्म कर दिया गया। सुबह साढ़े नौ बजे से यातायात सुचारू कर दिया गया है। नोएडा और इंदिरापुरम के वाहन हिंडन बैराज से होकर गुजर सकेंगे।

ड्रोन से की गई निगरानी

पुलिस उपायुक्त ट्रॉस हिंडन के अनुसार खोड़ा और हरनंदी छठ घाट पर कंट्रोल रूम से निगरानी रखी गई। वीसीटीवी कैमरों से लोगों पर नजर रखी गई। सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी घाट पर तैनात रहे। महिला पुलिस बल ने महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया। ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की जाती रही।

पुलिस अधिकारियों ने किया घाट का निरीक्षण

उन्होंने बताया कि पीएसी के गोताखोर घाट पर तैनात रहे। पुलिस के अधिकारी लगातार घाट का निरीक्षण करते रहे। हज हाउस के पास श्रद्धालुओं के लिए वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई। दूसरी पार्किंग हरनंदी मोक्ष स्थल के पास बनाई गई। दोनों पार्किंग में वाहनों को पार्क किए गए।

गाजियाबाद में डेंगू के पांच नए मरीज मिले, छह साल का रिकॉर्ड टूटा

गाजियाबाद। डेंगू और बुखार का कहर जारी है। रविवार को 42 लोगों की जांच करने पर डेंगू के पांच नए मरीज मिलने के साथ ही पिछले छह साल का रिकॉर्ड टूट गया है। अब तक कुल डेंगू के 1235 मरीज मिल चुके हैं जबकि पिछले छह साल में 1231 मरीज मिलने की ही सरकारी रिपोर्ट है। डेंगू से 12 और बुखार से 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ा और बुखार का कहर जारी है। रविवार को 42 लोगों की जांच करने पर डेंगू के पांच नए मरीज मिलने के साथ ही पिछले छह साल का रिकॉर्ड टूट गया है। अब तक कुल डेंगू के 1235 मरीज मिल चुके हैं, जबकि पिछले छह साल में 1231 मरीज मिलने की ही सरकारी रिपोर्ट है। डेंगू से 12 और बुखार से 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

ओपीडी में पहुंच रहे बुखार के 500 से अधिक मरीज

प्रतिदिन सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी में बुखार के 500 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। इस बार डेंगू से होने वाली मौत में अधिकांश बच्चे शामिल हैं। रविवार को मिले नए मरीजों में 41 वर्षीय राहुल निवासी लोनी, सात वर्षीय युवान पाल निवासी राजनगर, 18 वर्षीय फैजान निवासी भाटिया मोड़, रजापुर निवासी 24 वर्षीय शबाना और विजयनगर निवासी 12 वर्षीय वैष्णवी शामिल हैं।

ठगी का नया तरीका, स्कूटी रुकवाकर की भगवान राम की चर्चा; फिर बुजुर्ग के कुर्ते से निकाल लिए 15 हजार रुपये

गुरुग्राम में भगवान राम की चर्चा कर बुजुर्ग से 15 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बताया कि जब वे स्कूटी से बाजार जा रहे थे तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनको रुकवाया। इसके बाद उनके साथ भगवान राम के बारे में बात करने लगे। इसी बीच आरोपियों ने उनके कुर्ते से 15 हजार रुपये निकाल लिए।

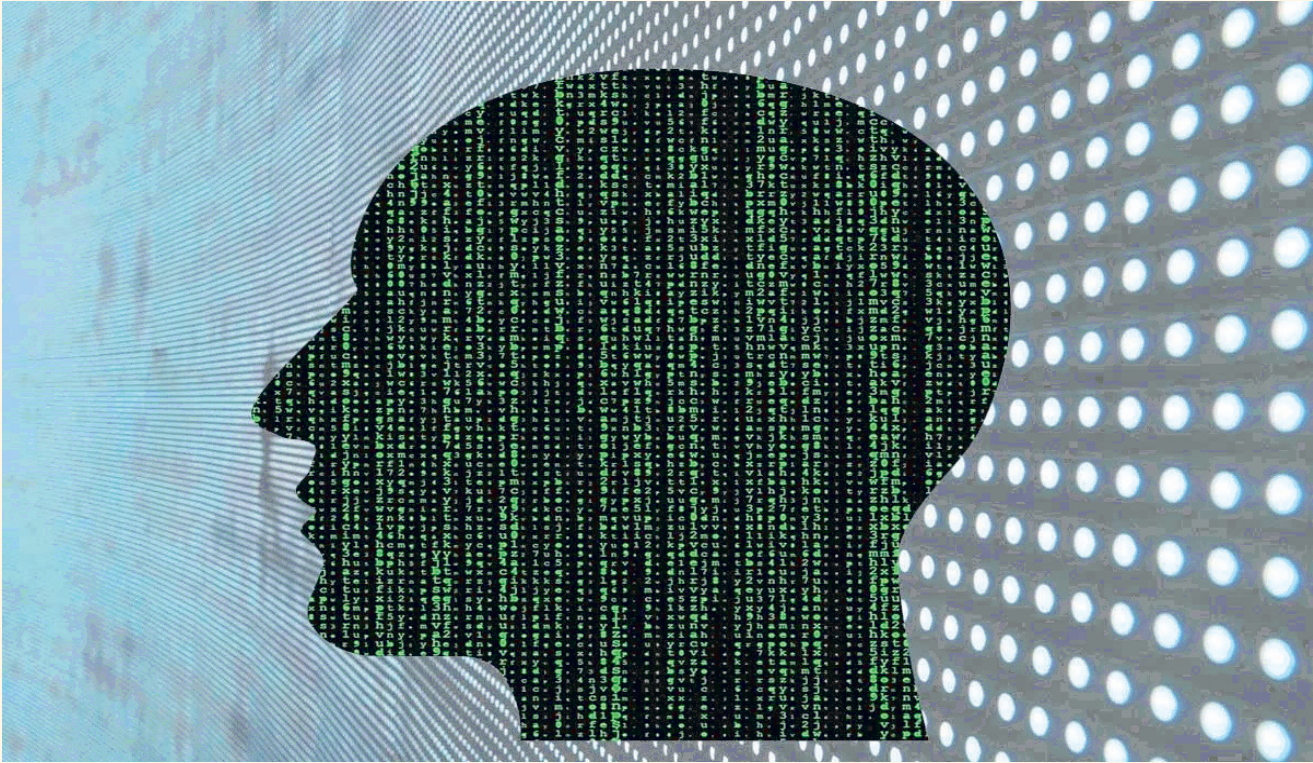
गुरुग्राम। जिले में ठगी करने का नया तरीका ठगों ने ईजाद किया है। दरअसल, स्कूटी से जा रहे एक बुजुर्ग को रुकवाकर ठगों ने पहले उनसे भगवान राम के बारे में बात की, इसके बाद उनके कुर्ते से 13 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित को शिकायत पर सेक्टर-10 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्ण नगर निवासी होशियार सिंह ने बताया कि वह शुक्रवार को अपनी स्कूटी से बाजार की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनको रुकवाया। इसके बाद उनके साथ भगवान राम के बारे में बात करने लगे।

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं।

डीपफेक व्यक्तिगत जीवन से आगे बढ़ कर अब राजनीतिक एवं वैश्विक सन्दर्भों के लिये एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई) तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है, एआई के जरिए डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। गलत सूचनाएं, ऑडियो-वीडियो और तस्वीरें फैलाने वालों के हाथों में एआई ने खतरनाक उस्तरा थमा दिया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ व्यक्तिगत छवि को घूमिल करने का हथियार बनकर अनेक चिन्ताओं को बढ़ा रहा है और बड़े संकट का सबब बनता जा रहा है। डीपफेक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं बक्शा है, उन्हें भी परेशान कर दिया है। उनका एक वीडियो इन दिनों यू-ट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब चर्चित हो रहा है, इसमें उनको गरबा करते दिखाया गया है। ये पूरा वीडियो डीपफेक नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसी तरह देश एवं विदेश की अनेक हस्तियों के अनेक अश्लील एवं राजनीतिक डीपफेक व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रहे हैं।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमे आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद एवं तकनीक से वीडियो, तस्वीरों और ऑडियो में हेरफेर कर सकते हैं। इस तकनीक की मदद से आप किसी दूसरे व्यक्ति की फोटो या वीडियो पर किसी और का चेहरा लगाकर उसे पूरी तरह से बदल भी सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल लगभग 96 प्रतिशत के आसपास अश्लील सामग्री बनाने में होता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल अपने मर चुके रिश्तेदारों की तस्वीरों को ऐनिमेट करने में भी करते हैं लेकिन अब डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल देश एवं विदेश की राजनीति में भी होने लगा है। राजनीतिक पार्टियाँ अपने चुनावी प्रचार में इस तकनीक का जमकर इस्तेमाल कर रही हैं। आम जनता को गुमराह करने एवं बड़ी हस्तियों की छवि एवं प्रतिष्ठा को धूमिल करने में अब इस तकनीक का व्यापक उपयोग होने लगा है। अनेक फिल्मों हस्तियों विशेषतः हीराइनों की अविश्वसनीय अश्लील एवं नग्न वीडियो बड़ी संख्या में आनलाइन आसानी से देखी जा सकती हैं। पब्लिक प्लेटफॉर्म पर मौजूद फोटोज की मदद से आसानी से डीपफेक वीडियो बनाया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब कोई नौसिखिया भी आसानी से फर्जी वीडियो बनाकर सच और झूठ का फर्क मिटा सकता है, किसी भी वीडियो पर झूट से भरोसा ना करें क्योंकि डीपफेक वीडियोज से घिरी वर्चुअल दुनिया में आंखों



देखा सबकुछ हमेशा सच नहीं होता।

देश-विदेश में कई प्रतिष्ठित हस्तियां डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। कई विदेशी हस्तियों के भी डीपफेक वीडियो सामने आ चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के डीपफेक वीडियो में तो वे रूस से लड़ रही अपनी सेना को सरेंजर करने के लिए कह रहे हैं। इजरायल-हमास युद्ध के भी कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीपफेक को देश के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बता इसके खिलाफ जनता को शिक्षित एवं सावधान करने पर जोर दिया है। भारत के लिये यह बड़ा खतरा इसलिए भी है क्योंकि भारत विविधता वाला देश है, यहां की जनता छोटी-छोटी बातों पर भावुक हो जाती है एवं भड़क जाती है। असली एवं नकली यानी डीपफेक का पता लगाने के लिये सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपेक्षा है। अगर वीडियो में आँख और नाक कहीं और जा रही है या वीडियो में पलक नहीं झपकाई गई है तो समझ जाइए यह डीपफेक कंटेंट है। कंटेंट की कलरिंग को भी देखकर पता लग सकता है कि तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ हुई है। ढेरों चर्चित महिला हस्तियों एवं सिने कलाकारों के चेहरे डीपफेक टेक की मदद से पॉर्न वीडियोज पर लगाकर उन्हें ऑनलाइन शेयर किया जा रहा है। पॉप्युलर अमेरिकन अडल्ट साइट की ट्रेंडिंग टैम्स रिपोर्ट दिखाती है कि ऐसे वीडियोज पिछले कुछ महीने में तेजी से चर्चित हुए हैं और इन्हें व्यापक रूप में सर्च किया जा रहा है या देखा जा रहा है। इस टेक से किसी का फेक न्यूड वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया जा सकता है और ऐसे मामले सामने आए भी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे यह टेक्नॉलॉजी पॉप्युलर होगी, इसका गलत इस्तेमाल और ऐसे क्राइम भी बढ़ते जाएंगे।

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का मशीन द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का मशीन द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। किसी भी बात या घटना के सच होने का सबसे बड़ा सबूत उसके किसी वीडियो को माना जाता रहा है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। आंखों देखी पर और किसी भी तरह के डिजिटल फोटो या वीडियो पर भरोसा नहीं किया जा सकता। डीपफेक टेक्नॉलॉजी की मदद से ऐसे वीडियो बनाए जा सकते हैं कि बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स भी गच्चा खा जाएं। सामान्य इंटरनेट यूजर शायद ही समझ पाए कि वीडियो डीपफेक है और उसमें दिखने वाला शख्स कोई और है। यह टेक्नॉलॉजी वीडियोज के साथ बिल्कुल वैसे ही काम करती है, जैसा फोटो के लिए फोटोशॉप करता है।

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, यह वीडियो फेक (डीपफेक) है। दरअसल इस वीडियो को लेकर मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने भी चिंता जताई है। इस

डीपफेक वीडियो पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज कराया है। इस मामले में एक गिरफ्तारी भी हो चुकी है। अब काजोल का भी डीपफेक सोशल मीडिया पर आ गया है। इसमें उनको कपड़े बदलते दिखाया गया है। इसमें ओरिजनल वीडियो ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोजी ब्रीन का है। उन्होंने ये वीडियो टिकटॉक पर ' गेट रेडी विद मी ' सीरीज के लिए बनाया था। भारत में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग रोकने और फर्जी वीडियो को पहचान के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी विकसित करने की जरूरत है। चिंता की बात है कि सोशल मीडिया मंचों और टेक कंपनियों ने डीपफेक वीडियो पर अंकुश के लिए कोई बड़ी पहल नहीं की है। लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर इसकी चातकता को देखते हुए ' गंभीर है। सरकार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले सभी डिजिटल नागरिक की सुरक्षा और भरोसे को सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचनाओं, डीपफेक और अन्य अवांछित सामग्री को पहचान कर 36 घंटे के अंदर उन्हें हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ कह दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगर डीपफेक कंटेंट को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं तो उन्हें मिलने वाले संरक्षण को वापस ले लिया जाएगा। कई देशों की सरकारें डीपफेक के नियमन की तैयारी में हैं। कुछ अमेरिकी राज्यों में बगैर सहमति डीपफेक बनाने को अपराध घोषित किया जा चुका है। यूरोपीय देशों में भी कानून बनाने की तैयारी चल रही है। सिर्फ कानून बनाने से समस्या से पार पाना संदिग्ध है। जरूरत ऐसे तंत्र को है, जो डीपफेक की सतत निगरानी रख अवांछित सामग्री फैलाने के सभी रास्ते बंद रखे।

टोयोटा की ये कॉम्पैक्ट SUV जल्द करेगी इंडिया में एंट्री, इन दमदार फीचर्स से होगी लैस; जानें संभावित कीमत



मीडिया रिपोर्ट की माने तो इस SUV में एक 89hp 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और एक 100hp 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल मोटर इंजन मिलेगा। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड के साथ आएगा जबकि टर्बो-पेट्रोल मोटर के साथ 6-स्पीड टॉक कनवर्टर यूनिट उपलब्ध होगी। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी में बढ़िया फ्रंट ग्रिल अपग्रेडेड फ्रंट और रियर बंपर और स्पेशल अलॉय व्हील डिजाइन होगा।

नई दिल्ली। टोयोटा किरलॉस्कार मोटर (Toyota Kirloskar Motor) अपनी आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में फिर से एंट्री करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो कंपनी बहुत जल्द Toyota Taisor को पेश कर सकती है।

यह एसयूवी Maruti Fronx का रीबैज वर्जन होगा। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी में बढ़िया फ्रंट ग्रिल, अपग्रेडेड फ्रंट और रियर बंपर और स्पेशल अलॉय व्हील डिजाइन होगा। आइए आपको लॉन्च होने वाली Toyota Taisor SUV के बारे में डिटेल से जानकारी देते हैं।

Toyota Taisor का डिजाइन

टोयोटा की आगामी एसयूवी मारुति सुजुकी फ्रॉक्स जैसी दिखाई देगी। फीचर्स की बात करें तो नई कॉम्पैक्ट एसयूवी में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले के साथ 9.0 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक हेड-अप डिस्क्ले, कलरफुल टीएफटी एमआईडी, एक वायरलेस फोन चार्जर, क्रूज कंट्रोल और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल शामिल है।

सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें छह एयरबैग, एक इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ESP), एक हिल-होल्ड असिस्ट, एक 360-डिग्री-व्यू कैमरा, ISOFIX चाइल्ड सीट एंकर, एबीएस और ईबीडी शामिल होने की उम्मीद है।

Toyota Taisor में मिलेगा फॉवरफुल इंजन

मीडिया रिपोर्ट की माने तो इस SUV में एक 89hp, 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और एक 100hp, 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल मोटर इंजन मिलेगा। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड के साथ आएगा, जबकि टर्बो-पेट्रोल मोटर के साथ 6-स्पीड टॉक कनवर्टर यूनिट उपलब्ध होगी।

76hp जनरेट करने वाला 1.2-लीटर मिल वाला CNG वैरिएंट भी उपलब्ध हो सकता है। उम्मीद है की कीमत फ्रॉक्स के बराबर होगी, जो 7.47 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये से शुरू होती है। अन्य फीचर्स में 6-स्पीकर साउंड सिस्टम, एक वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, फास्ट यूएसबी चार्जिंग पोर्ट आदि शामिल हैं।

चौथी जेनरेशन की Maruti Suzuki Swift टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट, जानें संभावित फीचर्स के बारे में

2024 Maruti Suzuki Swift को पहले की तरह 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड के-सीरीज पेट्रोल इंजन मिलेगा। जनकारों का कहना है कि इस पावरट्रेन को लो-स्पेक ट्रिम्स में पेश किया जाएगा। वहीं इसे पूरी तरह से नया 1.2 लीटर 3-सिलेंडर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है जिसे टोयोटा के सहयोग से विकसित किया गया है। इसे पहले भी विदेशी धरती पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट मारुति की पॉपुलर कारों में से एक है। यह गाड़ी जल्द ही चौथे जेनरेशन में अपडेट होने के लिए तैयार है। चौथी जेनरेशन की मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने 2023 जापान मोबिलिटी शो में कॉन्सेप्ट फॉर्म में अपनी वैश्विक शुरुआत की। अब, कुछ ही दिनों बाद, कार को पहली बार भारत में परीक्षण के दौरान देखा गया है। आइये जानते हैं इससे जुड़े संभावित बदलावों के बारे में।

2024 Maruti Suzuki Swift बदलाव

नई पीढ़ी की स्विफ्ट को पहले भी विदेशी धरती पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। कार के इंटीरियर और एक्सटीरियर में कई अपडेट हो वाले हैं। वहीं, इसकी इक्विपमेंट लिस्ट को भी पूरी तरह से अपडेट किया जाएगा। उम्मीद है कि अपडेटेड Swift में फिर से डिजाइन किया गया फ्रंट फेंडिशिया, नए एलईडी हेडलैम्प डीआरएल और एक अपडेटेड बम्पर मिलता है। इसमें नए डिजाइन किए गए अलॉय व्हील, अपडेटेड एलईडी टेल लैंप और बम्पर वगैरह भी मिलेंगे। डायमेशनल बदलावों के साथ नई Swift अपडेटेड लाइटवेट हार्टेक प्लेटफॉर्म पर आधारित हो सकती है।

कितना दमदार होगा इसका इंजन ?

2024 Maruti Suzuki Swift को पहले की तरह 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड के-सीरीज पेट्रोल इंजन मिलेगा। जनकारों का कहना है कि इस पावरट्रेन को लो-स्पेक ट्रिम्स में पेश किया जाएगा। वहीं इसे पूरी तरह से नया 1.2 लीटर, 3-सिलेंडर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है, जिसे टोयोटा के सहयोग से विकसित किया गया है। दावा किया गया है कि नई स्विफ्ट 1 लीटर पेट्रोल में 35 से 40 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने में सक्षम होगी। हालांकि इस गाड़ी से जुड़ी सभी खास जानकारी कंपनी जब इसे लॉन्च करेगी तभी सामने आएगी।



Reliance Jio की इस डिवाइस से बेस वेरिएंट में मिलेंगे लगजरी कार जैसे स्मार्ट फीचर्स,

रिलायंस ने JioMotive obd device लॉन्च की है। एक बार इंस्टॉल हो जाने पर डिवाइस ई-सिम का उपयोग करके Jio नेटवर्क से कनेक्ट हो जाता है जिससे अलग सिम कार्ड या डेटा प्लान की आवश्यकता नहीं होती है। आइए जान लेते हैं कि जिओ की ये डिवाइस कितनी खास है इसकी कीमत क्या है और ये आपके लिए कितनी उपयोगी साबित हो सकती है।

नई दिल्ली। Reliance Jio ने हाल ही में एक नया पोकेट-साइज, आसानी से इंस्टॉल होने वाला OBD (ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स) डिवाइस लॉन्च किया है, जो किसी भी कार को स्मार्ट व्हीकल में बदल सकता है। ये एक प्लग एंड प्ले डिवाइस है और कार के ओबीडी पोर्ट में प्लग हो जाता है, जो आमतौर पर डैशबोर्ड के नीचे स्थित होता है। एक बार इंस्टॉल हो जाने पर, डिवाइस ई-सिम का उपयोग करके Jio नेटवर्क से कनेक्ट हो जाता है, जिससे अलग सिम कार्ड या डेटा प्लान की आवश्यकता नहीं होती है। आइए, जान लेते हैं कि जिओ की ये डिवाइस कितनी खास है, इसकी कीमत क्या है और ये आपके लिए कितनी उपयोगी साबित हो सकती है।

JioMotive की कीमत

JioMotive रिलायंस डिजिटल की आधिकारिक वेबसाइट पर 4,999 रुपये में उपलब्ध है। इसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म Amazon और JioMart से भी खरीदा जा सकता है। पुरानी कारों और बेस मॉडल्स में जिओ की ये डिवाइस काफी कारगर साबित होने वाली है।

JioMotive की खासियत

JioMotive की मदद से आप उन एडवांस फीचर्स का उपयोग कर सकते हैं, जो नई गाड़ियों के टॉप-स्पेक मॉडल्स में पेश किए जाते हैं। आइए, इसके 5 सबसे बड़े फायदों के बारे में जान लेते हैं।

JioMotive की मदद से आप रियल टाइम में अपनी कार के स्थान को ट्रैक कर सकते हैं। ये कार के ठिकाने की निगरानी करने, परिवार और दोस्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चोरी को रोकने में सहायक हो सकता है।

Geo-Fencing

JioMotive के साथ यूजर्स, मैप पर वरचुअल बाउंड्री सेट कर सकते हैं। जब उनकी कार इन क्षेत्रों में प्रवेश करेगी या बाहर निकलेगी तो उन्हें अलर्ट प्राप्त होगा, जिससे आपका वाहन सुरक्षित रहेगा।

Remote Diagnostics

JioMotive की मदद से आप दूर से ही कार के परफॉरमेंस और हेल्थ की निगरानी कर सकते हैं। इसकी मदद से आपके व्हीकल की मेटेनैस कॉस्ट भी कम होने वाली है।

क्रेडिट कार्ड या लिया है कोई लोन तो सिबिल स्कोर खराब होने के इन पांच कारणों को ना करें

परिवहन विशेष न्यूज

यदि आपका CIBIL स्कोर कम है तो आपको लोन मिलने में कठिनाई हो सकती है या आपको अधिक ब्याज दर पर लोन की पेशकश की जा सकती है। CIBIL स्कोर 300 और 900 के बीच होता है और 750 से ऊपर क्रेडिट स्कोर क्रेडिट कार्ड और ऋण को मंजूरी देना आसान बनाता है। जानिए क्यों खराब होता है सिबिल स्कोर।

- नई दिल्ली।** जब भी आपको लोन की जरूरत पड़ती है तो देनदार सबसे पहले आपका सिबिल स्कोर पृछता है। ऐसे में अगर आपका सिबिल स्कोर कम है तो तो आपको लोन मिलने में परेशानी हो सकती है या फिर उच्च ब्याज दर पर लोन का विकल्प दिया जाता है।
- CIBIL स्कोर 300-900 के बीच होता है, जिसमें 750 से ऊपर का क्रेडिट स्कोर आपके क्रेडिट कार्ड या लोन आवेदन को मंजूर कराने में मदद करता है। यदि आपका सिबिल स्कोर 650 या उससे कम है, तो इसकी संभावना कम है कि आपका नया लोन मिले। ऐसे में आज जानते हैं कि आखिर सिबिल स्कोर किन कारणों से कम होता है।
- अधिक क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो होना**
क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो (CUR) सभी क्रेडिट उत्पादों में कुल उपलब्ध क्रेडिट सीमा में उपयोग किए गए कुल क्रेडिट का प्रतिशत है। आपको 30 प्रतिशत से कम का CUR बनाए रखना चाहिए। आसान भाषा में कहें तो आप अपने क्रेडिट लिमिट का केवल 30 प्रतिशत ही उपयोग करें। मान लीजिए आपकी क्रेडिट लिमिट 1 लाख रुपये है तो आप उसमें से केवल 30,000 रुपये ही उपयोग करें।
 - खराब क्रेडिट मिश्रण होना**
यदि आपने पहले विभिन्न प्रकार का लोन जैसे होम लोन, पर्सनल लोन और भी अन्य लोन लिया है तो इससे आपका सिबिल स्कोर अच्छा होता है क्योंकि यह आपके विभिन्न प्रकार के क्रेडिट को जिम्मेदारी से संभालने की आपकी क्षमता को दिखाता है।
लेकिन यदि आपके पास विभिन्न क्रेडिट उत्पादों (असुरक्षित या सुरक्षित ऋण) का स्वस्थ मिश्रण नहीं है, तो आपका सिबिल स्कोर थोड़ा कम हो सकता है, हालांकि इससे सिबिल स्कोर पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता।
 - बिल चुकाने में देरी करना**
सिबिल स्कोर के कम होने के पीछे सबसे अधिक
 - यदि आप कम समय में कई देनदार के पास नए लोन और क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करते हैं तो उतनी ही बार आपका सिबिल पूछा जाता है जिससे आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित होता है क्योंकि आपके द्वारा आवेदन की हुई सभी जानकारी सिबिल रिपोर्ट में दर्ज होती है और आखिरकार आपका सिबिल स्कोर कम हो जाता है।**
 - CIBIL रिपोर्ट में त्रुटियां होना**



- भूमिका यही निभाता है। अगर आपने टाइम पर अपने क्रेडिट कार्ड का बिल पेमेंट नहीं किया तो आपका सिबिल स्कोर बहुत तेजी से डाउन होता है। हालांकि यदि आप टाइन से एक बार बिल पेमेंट करना भूल जाते हैं तो सिबिल स्कोर पर अधिक फर्क नहीं पड़ता लेकिन बार-बार ऐसा करने पर आपका सिबिल खराब श्रेणी में आ जाता है।
- यदि आप कम समय में कई देनदार के पास नए लोन और क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करते हैं तो उतनी ही बार आपका सिबिल पूछा जाता है जिससे आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित होता है क्योंकि आपके द्वारा आवेदन की हुई सभी जानकारी सिबिल रिपोर्ट में दर्ज होती है और आखिरकार आपका सिबिल स्कोर कम हो जाता है।
- सिबिल रिपोर्ट में त्रुटियां जैसे गलत अकाउंट डिटेल, डुप्लिकेट अकाउंट, गलत लोन बैलेंस, बकाया बैलेंस में त्रुटि, रिपोर्ट किए गए सक्रिय लोन/क्रेडिट में त्रुटियां, आदि आपके CIBIL स्कोर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। आपको समय-समय पर अपने सिबिल रिपोर्ट की जांच करनी चाहिए और यदि कोई गलती हो तो उसे जल्द से जल्द ठीक कर लेना चाहिए।

चालू वित्त वर्ष में पहली बार अक्टूबर के निर्यात में बढ़ोतरी के आसार

आने वाले 15 नवंबर को अक्टूबर महीने के निर्यात के आंकड़ा जारी किए जाएंगे। वित्त वर्ष 2023-24 में पहली बार अक्टूबर महीने में वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी की संभावना है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने अक्टूबर महीने में वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद जाहिर की है। उनका मानना है कि आने वाले महीनों में वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में पहली बार अक्टूबर के वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी की पूरी संभावना है। अप्रैल से लेकर सितंबर तक वस्तु निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन मुख्य रूप से इंजीनियरिंग वस्तु, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स व कृषि वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी की वजह अक्टूबर के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि यह बढ़ोतरी दर अधिकतम पांच प्रतिशत तक रह सकती है।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने भी पिछले महीने अक्टूबर के वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि नए बाजार की तलाश में सफलता से हमारे निर्यात की गिरावट कम

हो रही है और आने वाले महीनों में वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी होगी। अक्टूबर के पहले दो सप्ताह के निर्यात में बढ़ोतरी का रुख रहा है।

15 नवंबर को जारी होंगे निर्यात के आंकड़े

आगामी 15 नवंबर को अक्टूबर के निर्यात का आंकड़ा जारी किया जाएगा। निर्यात में गिरावट की दर भी पिछले एक-दो माह से कम हो रही है। इस साल जून-जुलाई में वस्तु निर्यात की गिरावट दर 10 प्रतिशत से अधिक चल रही थी जो सितंबर में 2.62 प्रतिशत रह गई। विदेश व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले दो माह से इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में बढ़ोतरी दिख रही है जो कुल वस्तु निर्यात के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

वस्तु निर्यात का कुल निर्यात में इसकी 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। सितंबर में इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में पिछले साल सितंबर की तुलना में 6.79 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही जबकि इस साल अप्रैल से अगस्त तक इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। इस साल सितंबर में भी पेट्रोलियम पदार्थ एवं जेम्स व ज्वैलरी को छोड़ दे तो वस्तुओं के कुल के निर्यात में



बढ़ोतरी रही। मांस व डेयरी व पोल्डी उत्पाद, प्रोसेस्ड खाद्य आइटम, तिलहन व ऑयल मिल्स के बेहतर प्रदर्शन से भी वस्तु निर्यात को समर्थन मिल रहा है। इस साल अप्रैल-सितंबर में 211 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात किया जा चुका है जबकि पिछले साल अप्रैल-सितंबर में 231 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था।

मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में आगे भी जारी रहेगी तेजी, सर्वे में सामने आई ये बात

परिवहन विशेष न्यूज

सर्वे में 4.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संयुक्त वार्षिक कारोबार वाले बड़े और एसएमई दोनों खंडों की 380 से अधिक मैनुफैक्चरिंग कंपनियों से प्रतिक्रिया ली गई। भारतीय मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में मौजूदा औसत क्षमता उपयोग लगभग 74 प्रतिशत है जो पिछली तिमाहियों के दौरान दर्ज 73 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इस मामले में पिछले सर्वे की तुलना में भी थोड़ा सुधार हुआ है।

नई दिल्ली। उद्योग संगठन फिक्की के एक नवीनतम तिमाही सर्वे से पता चला है कि विकसित देशों में मंदी के बावजूद 2023-24 की दूसरी तिमाही में भारतीय मैनुफैक्चरिंग में तेजी रही। सर्वे के मुताबिक मैनुफैक्चरिंग में शेष बची तिमाहियों में भी तेजी बने रहने की संभावना है।

सर्वे में जुलाई-सितंबर 2023-24 तिमाही के लिए दस प्रमुख क्षेत्रों-मोटर वाहन और आटो घटक, पूंजीगत सामान और निर्माण उपकरण, सीमेंट, रसायन, उर्वरक और फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और

क्वाइट गुड्स, मशीन टूल्स, धातु और धातु उत्पादों, वस्त्र, परिधान और तकनीकी वस्त्र, कागज और विविध के लिए निर्माताओं के प्रदर्शन और भावनाओं का आकलन किया गया है।

निवेश दृष्टिकोण में काफी सुधार

सर्वे में 4.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संयुक्त वार्षिक कारोबार वाले बड़े और एसएमई दोनों खंडों की 380 से अधिक मैनुफैक्चरिंग कंपनियों से प्रतिक्रिया ली गई। भारतीय मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में मौजूदा औसत क्षमता उपयोग लगभग 74 प्रतिशत है, जो पिछली तिमाहियों के दौरान दर्ज 73 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है।

पिछली तिमाही की तुलना में भविष्य के निवेश दृष्टिकोण में भी सुधार हुआ है क्योंकि 57 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने आने वाले छह महीनों में निवेश और विस्तार की योजना की बात कही है।

ये भी पढ़ें: Rice Export: भारत सरकार ने फिर बढ़ाया मदद का हाथ, पतंजलि आयुर्वेद ने नेपाल भूकंप पीड़ितों को दान किया 20 मीट्रिक टन चावल

मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में भी हुआ



सुधार

इस मामले में पिछले सर्वे की तुलना में भी थोड़ा सुधार हुआ है। प्रमुख बाधाओं की बात करें तो भारत में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए मांग एक सीमित कारक है, जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने इसे एक महत्वपूर्ण बाधा के रूप में रेखांकित किया है।

उन्होंने कहा, चाहे वह घरेलू मांग हो या निर्यात, यह एक प्रमुख सीमित कारक बना हुआ है। कच्चे माल की उच्च कीमतें, वित्त की बढ़ती लागत, रसद और अन्य सप्लाय चैन ऐसी प्रमुख बाधाएं हैं, जो विस्तार योजनाओं को प्रभावित कर रही हैं।

निर्यात मांग में और सुधार की उम्मीद

निर्यात के मोचे पर प्रदर्शन पिछली

तिमाहियों की तुलना में बेहतर प्रतीत होता है, क्योंकि 48 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने जुलाई-सितंबर 2023-24 में उच्च निर्यात की सूचना दी, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 33 प्रतिशत था। फिक्की ने कहा, हालांकि देश की वृद्धि की आकांक्षा को देखते हुए निर्यात मांग में और सुधार की उम्मीद है।

रेमंड के MD गौतम सिंघानिया शादी के 24 साल बाद पत्नी नवाज से अलग हुए, शेयर किया भावुक पोस्ट



रेमंड (Raymond) ग्रुप के एमडी गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पत्नी नवाज से अलग होने का एलान किया। दोनों की शादी साल 1999 में हुई थी। पिछले दिनों इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें नवाज को गौतम सिंघानिया की दिवाली पार्टी में एंट्री नहीं मिली थी। यह पार्टी ठाणे में आयोजित की गई थी।

मुंबई। अरबपति उद्योगपति गौतम सिंघानिया अपनी पत्नी से शादी के 24 साल बाद अलग हो गए। उनकी शादी 1999 में हुई थी। उस दौरान ऐसी खबरें सामने आई थीं कि शादी से पहले उन्होंने गौतम सिंघानिया को आठ साल तक डेट किया था।

रेमंड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गौतम सिंघानिया ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा करते हुए कहा कि यह पहले जैसी दिवाली नहीं है। वह अपनी पत्नी नवाज से अलग हो गए हैं।

नवाज को नहीं मिली गौतम सिंघानिया की दिवाली पार्टी में एंट्री

यह घोषणा इंटरनेट पर एक

वीडियो के सामने आने के कुछ ही मिनटों बाद हुई, जिसमें कथित तौर पर दिखाया गया है कि नवाज को पिछले हफ्ते ठाणे में गौतम सिंघानिया द्वारा दिवाली से पहले की पार्टी के निमंत्रण के बावजूद प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही थी।

32 साल से दोनों साथ थे

उन्होंने कहा कि फिटनेस ट्रेनर नवाज और वह एक जोड़े के रूप में 32 साल तक साथ रहे। उनके दो बच्चे हैं। उन्होंने बच्चों की कस्टडी को लेकर विवरण नहीं दिया है।

उन्होंने कहा कि दोनों अपने बच्चों के लिए जो भी सबसे अच्छा होगा वह करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नवाज ने कानून की पढ़ाई की थी, लेकिन बाद में वह फिटनेस ट्रेनर बन गईं।

विवादों से रहा है गौतम सिंघानिया का पुराना नाता

गौतम सिंघानिया का विवादों से पुराना नाता रहा है। एक फ्लैट को लेकर उनका पिता विजयपत सिंघानिया से विवाद काफी सुर्खियों में रहा था। उनके पिता फ्लैट को बेचना चाहते थे, जिसे गौतम अपने पास रखना चाहते थे। इस विवाद के चलते दोनों के रिश्ते काफी खराब होने लगे थे। विजयपत सिंघानिया ने रेमंड ग्रुप की नींव रखी थी।

कम हुई मांग तो लुढ़क गए सोने और चांदी के दाम, जानिए आपके शहर में आज क्या है 24 कैरेट गोल्ड का रेट



देश में आज सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। पिछले दिनों देश में धनतेरस और दिवाली को लेकर गोल्ड की डिमांड बढ़ गई थी हालांकि उस वक्त भी कीमतों में अधिक उछाल देखने को नहीं मिला था। ऐसे अगर आप सोने में निवेश के लिहाज के हिसाब से देख रहे हैं तो उससे पहले अपने शहर में सोने की कीमतों के बारे में जान लीजिए।

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन यानी सोमवार 13 नवंबर को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। देश में पिछले दिनों धनतेरस और दिवाली के चलते सोने की मांग बढ़ी थी जिसके कारण कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी को मिली थी।

आज क्या है सोने का भाव ?

आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 93 रुपये गिरकर 59,659 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 93 रुपये या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,659 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 10,649 लॉट का कारोबार हुआ।

विशेषज्ञों की मानें तो सोने की कीमतों में गिरावट का कारण का श्रेय प्रतिभागियों द्वारा अपने पदों में कटौती है। वैश्विक स्तर पर अगर बात करें तो न्यूयॉर्क में सोना 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,940.90 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

क्या है आज चांदी की कीमत ?

आज वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 727 रुपये गिरकर 69,305 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 727 रुपये या 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69,305 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 25,337 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

क्या है सोने की स्पॉट कीमत ?

गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पॉट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है। नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है। मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है। चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,980 रुपये है। कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है। बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है। केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है। पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,540 रुपये है। सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,540 रुपये है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है। लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है।

अमृतसर स्वीप अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र सेंद्रल में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एक मेगा रैली का आयोजन किया गया

नई दिल्ली | अमृतसर 20 नवंबर (साहित्य बेरी) 2128 प्रशिक्षणों को वोटर हेल्पलाइन-एप को जानकारी दी गई। जागरूकता पैदा करने के लिए जागरूक गतिविधियों आयोजित किया जा रहा है और इन्हीं गतिविधियों के तहत एक मेगा रैली का आयोजन किया गया। आज विभिन्न संस्थाओं के प्राचार्यों एवं नौडल कार्यालयों के सहयोग से लोगों को वोटर का डे प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस रैली में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री बरिंदर जौत सिंह नौडल अधिकारी स्वीप 017-जनसभा निर्वाचन क्षेत्र संदर्भ में बताया कि अतिरिक्त उपायुक्त शहरी विकास-सर्व-निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी 017-अमृतसर केदरी के दिशानिर्देशों के तहत मतदाताओं को शिक्षित करने के लिए स्वीपों के तहत गतिविधियों आयोजित किया जा रहा है। अधिक से अधिक युवाओं को अपना वोटर का डे बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों व संस्थानों के 128 विद्यार्थियों को वोटर हेल्पलाइन-एप डाउनलोड करवाया गया है। उन्होंने कहा कि इस एप के माध्यम से नये वोटर बनाने, वोट रजिस्ट्र कराने तथा ई-वोट खोजने के बारे में भी जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि जो युवा पहली बार मतदाता बन रहे हैं उन्हें मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया जाए ताकि वे अपने मत का सही प्रयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयुक्त के निर्देशानुसार बीएलओ घर-घर जाकर मतदान करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक जिसको आयु 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष या उससे अधिक होगी, वह



मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 और वोट रद्द करने के लिए फॉर्म 7 या किसी भी सुधार के लिए फॉर्म 8 जमा कर आवेदन कर सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के

निर्देशानुसार 2 दिसंबर 2023 एवं 3 दिसंबर 2023 को सभी बीएलओ आर्वाटित मतदान केंद्रों पर सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बैठकर आम जनता से दावे

एवं आपत्तिया प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि ये दावे एवं आपत्तियां वोटर.ईसीआई.जीओवी.इन पर लॉग इन करके ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने ED को जारी किया नोटिस, संजय सिंह ने अपनी गिरफ्तारी को दी थी चुनौती



सुप्रीम कोर्ट ने संजय सिंह की याचिका पर सोमवार को ईडी को नोटिस भेजा है। दरअसल आप नेता ने अपनी गिरफ्तारी और दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उनकी याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि संजय सिंह की गिरफ्तारी कानून के मुताबिक है। चार्जशीट में ईडी ने संजय सिंह पर पैसे लेने का आरोप लगाया है।

पहुंचे थे। इससे पहले 20 अक्टूबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था।

उनकी याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि संजय सिंह की गिरफ्तारी कानून के मुताबिक है। वह कानून से ऊपर नहीं है। प्रारंभिक जांच में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। इसके बाद संजय सिंह ने अपनी गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

4 अक्टूबर हुए थे गिरफ्तार। दिल्ली शराब घोटाला मामले में संजय सिंह 4 अक्टूबर को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए थे। तब से ही वह न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें संजय सिंह पर 82 लाख रुपये का चंदा लेने का आरोप लगा है।

दिल्ली में हर साल जान गंवा रहे 1200 से 1500 लोग, सड़कों पर इन वजहों से हो रही मौतें

राजधानी दिल्ली में हर साल सड़क हादसों में 1200 से 1500 लोगों की मौत होती है। इनमें सबसे ज्यादा पैदल यात्री की मौत होती है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि सड़क हादसों में मारे गए लोगों में सबसे ज्यादा 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोग हैं। मारे गए लगभग 81 प्रतिशत व्यक्ति यही संवेदनशील सड़क उपयोगकर्ता थे।



है। दूसरे नंबर पर दोपहिया वाहन चालक हैं। दिल्ली यातायात पुलिस से प्राप्त आंकड़ों को देखा जाए तो वर्ष 2022 में 43 प्रतिशत पैदल यात्री और 38 प्रतिशत दोपहिया वाहन चालकों की मौत हो गई है। मारे गए लगभग 81 प्रतिशत व्यक्ति यही संवेदनशील सड़क उपयोगकर्ता थे।

इस उम्र वाले सबसे ज्यादा हादसों का शिकार
आंकड़ों से यह पता चलता है कि सड़क हादसों में मारे गए लोगों में सबसे ज्यादा 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोग हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि पीड़ितों (मृत्यु और चोटों) में दोपहिया वाहन की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है।

एसडी सेठी। राष्ट्रीय राजधानी में
हर साल सड़क हादसों में 1200 से
1500 लोगों की मौत होती है। इनमें
सबसे ज्यादा पैदल यात्री की मौत होती

हारे का सहारा बने मोदी, शमी-जडेजा पूरी टीम को लगाया गले

एसडी सेठी। रविवार को गुजरात में वर्ल्ड कप क्रिकेट के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को 6विकेट से हार झेलने पड़ी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम कर लिया। हार के बाद भारतीय खिलाड़ियों और फैंस का दिल टूट गया। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, और मौलूमद सिराज, शाही की आंखों से आंसू छलक पड़े। इन तस्वीरों को देखकर फैंस भी भावुक हो गए थे। इस बीच भारतीय टीम की हार से निराश भारतीय टीम को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने निराश खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए ट्विंसिंग रूम में पहुंच गए। मौलूमद शमी ने भी एक फोटो शेयर की। जिसमें वह प्रधान मंत्री के गले लगकर बहद इमोशनल हो गए। शमी ने फोटो शेयर कर लिखा 'दुर्भाग्य से कल हमारा

दिन नहीं था। अपने फैन के अलावा पीएम मोदी को धन्यवाद देकर आभार जताया। कहा कि विशेष रूप से ड्रैसिंग रूम में आकर हमारा पीएम मोदी जो ने उल्टाह बढ़ाया। हम वापसी करेंगे। रवीन्द्र जडेजा ने भी पीएम से मुलाकात की फोटो शेयर की जिसमें पीएम मोदी जडेजा से हाथ मिला रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी ड्रैसिंग रूम में पहुंचे जो विशेष और बहुत प्रेरणादायक था। पीएम मोदी का सभी भारतीय खिलाड़ियों का समेत आस्ट्रेलियाई टीम को भी विशास है। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलियाई टीम 8वीं बार फाइनल खेलने उतरी थी। उसे दो बार 1975 में वेस्टइंडीज और 1996 में श्रीलंका से हार डोलनी पड़ी थी। जबकि आस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 6 बार 1987, 1999, 2003, 2007, 2015, और 2023 में खिताब जीता। उसने 1999 से 2007 तक लगातार 3 बार खिताब जीता था।



**बारीपदा में संताली लेखक
संघ के अध्यक्ष सम्मेलन में
भाग लिया-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू**

नई दिल्ली। भुवनेश्वर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से ओडिशा के 2 दिवसीय दौरे पर हैं। राष्ट्रपति जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और अपने घर पर ही रहेंगे। हालांकि, राष्ट्रपति के कार्यक्रम के शेड्यूल में थोड़ा बदलाव किया गया है। वह सोमवार सुबह 11 बजे बारीपदा पहुंचें। बाद में, राष्ट्रपति शहीद स्मृति धनन में अखिल भारतीय संताली लेखक संधे के 36वें वार्षिक समारोह में शामिल हुए। राष्ट्रपति के दौरे में मध्यताम भोजन के बाद दोपहर 2:35 बजे कुलियाना ब्लॉक के एकलब्य मॉडल आवासी विद्यालय का

उद्घाटन करेंगे। फिर 3:15 बजे रायचंगपुर अभिमुख से प्रस्थान करेंगे। इसी तरह 21 तारीख को राष्ट्रपति के कार्यक्रम में भी इस तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति के स्वागत को पूरी तैयारी कर ली है। जिलाधिकारी ने स्वयं शही स्मारक सहित पुलिस लाइन हेलीपैड का जायजा लिया। तो राष्ट्रपति बनने के बाद महामहिम राष्ट्रपति दूसरी बार अपनी धरती आ रहे हैं। घर जाने की योजना बनाएं।

पड़ोसियों से बात होगी, रिस्तेदार से मुलाकात होगी।



इजरायल-हमास टकराव के दौरान हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना अनुचित है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मानव इतिहास में शायद यह पहला उदाहरण होगा जब जीवनदायी हॉस्पिटल युद्ध का मैदान बना हो। दरअसल इजरायल हमलास युद्ध में यही हो रहा है। आज गाजा पट्टी का अल शिफा हॉस्पिटल रणक्षेत्र बन गया है। इसके लिए अकेले इजरायल को दोष देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता वहीं हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना भी किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। पर जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं उसने हालात ही ऐसे बना दिए हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमला का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है। वहां से भारी मात्रा में हथियारों का जख़्ख़ भी मिला है। वहीं दूसरी ओर निर्दोष नागरिक जान गंवा रहे हैं। इजरायल के सामने यहां दोहरा संकट है। एक ओर तो निर्दोष नागरिकों को बचाना है तो दूसरी ओर आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही करना भी है। दुनिया के देश भी दो खेमों में बंट चुके हैं। एक ओर जहां हॉस्पिटल क्षेत्र में सैन्य कार्यवाही के लिए इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी ओर हमला की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा है।

दुनिया को सकेते में ला दिया था। इजरायल के सामने अब दोहरा संकट आ गया है। दरअसल जिस तरह से हमसा का हमला हुआ उससे इजरायल की नहीं अपितु सारी दुनिया सकेते में आ गई। इसका कारण भी है। इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था, सूचना तंत्र, प्रतिरक्षा और सैन्य व्यवस्था का सारी दुनिया लोहा मानती रही है। हमसा द्वारा अचानक एक साथ पांच हजार राकेट दामन और उसके बाद लगातार एक दूसरे से युद्ध जारी रहना इजरायल के सामने बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हालात हैं। इजरायल सीधे सीधे अपने तौहीन समझ रहा है तो उसकी प्रतिष्ठा पर दुनिया के देशों के सामने आंच आई है। जानकारों की मानें तो हमसा के इस हमले में ईरान का हाथ है। ईरान नहीं चाहता कि इजरायल और सऊदी अरब के बीच आपसी सुलह हो जबकि अमेरिका दोनों देशों के बीच सुलह या यों कहें की सहमति करवाना चाहता है। एक तरह से ईरान अमेरिकी प्रयासों को विफल करने में जुटा है। दरअसल हमसा फिलिस्तीनी राजनीतिक व सैन्य संगठन है। यह भी कहा जा सकता है कि फिलिस्तीन का रहम पंथी सैन्य संगठन है। 1987 के बाद यह संगठन अस्तित्व में आया है और यह अपने आप में एक शक्तिशाली चरमपंथी संगठन के रूप में विकसित हो चुका है। गाजा पट्टी जानकारों की मानें तो इस क्षेत्र में हमसा ने सुरंगों का जाल बिछा रखा है। कौन सा मेन होल या दरवाजा किस सुरंग का रास्ता है यह पता करना आसान नहीं है वहीं सुलगने का यह जाल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। अनजाने में यहाँ प्रवेश करना भी

घातक इस मायने में है कि कब कहां विस्फोट हो जाए अंदज भी नहीं लगाया जा सकता। जानकारों की मानें तो गाजा पट्टी क्षेत्र में चारों तरफ सुरंगों का नेटवर्क फैला हुआ है और यहां से चरमपंथी गतिविधियों के साथ ही रणनीति तैयार करने से लेकर उसे अंजाम देने का नेटवर्क संचालित हो रहा है।

माना जा रहा था कि इजरायल के आगे हमारा अधिक दिन तक संघर्ष नहीं कर पायेगा पर इसके अलग लम्बग 40 दिन से अधिक होने के बाद भी जंग कम होने का नाम भी नहीं ले रही है। हमारा की ताकत को भी कमतर आंकने की गलती इस मायने में नहीं की जा सकती कि वर 40 दिनों से संघर्ष करते हुए अभी पीछे हटने को तैयार नहीं है तो दूसरी ओर इजरायल ने भी अग्रे हमारा को पूरी तरह नष्ट नहस करने का मन बना लिया है। एक के बाद एक ताबड़तोड़ कार्यवाही हो रही है। 140 दिनों में दोनों तरफ से 13 हजार से अधिक लोगों के मरने के समाचार हैं। इनमें निर्दोष और बच्चों तक के मरने के समाचार हैं।

दरअसल हॉस्पिटल का युद्ध क्षेत्र में तब्दील होना अपने आप में भीषण है। इसे किसी भी हालात में सही नहीं ठहराया जा सकता। 1949 के जेनेवा कन्वेंशन के अनुसार शिक्षा संस्थान यानी की स्कूल, हॉस्पिटल और धार्मिक स्थानों को युद्ध के लिहाज से सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। दुनिया के देश इसी का हवाला देते हुए इजरायल की आलोचना कर रहे हैं तो इजरायल का कहना है कि हमारा हॉस्पिटल को सुरक्षा ढाल बनाकर

आतंकवादी गतिविधियों को संचालित कर रहा है। इजरायल का यह भी दावा है कि उसके द्वारा 12 घंटे का नोटिस देकर इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को मुक्त करने को कहे जाने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। इजरायल का यह भी कहना है कि हमारा द्वारा आतंकवादी गतिविधियों के संचालन के लिए अस्तपाल क्षेत्र का उपयोग इंटरनेशनल लॉ का खुले आम उल्लंघन है। उसका यह भी दावा है कि अस्तपाल में आवश्यक उपकरण, दवाएं आदि



उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि अस्पताल की गतिविधियाँ सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

सवाल यह नहीं है कि कौन गलत है या कौन सही? सवाल सीधा सीधा यह हो जाता है कि किस भी देश या संगठन को नैतिकता के सामान्य सिद्धांतों और इंटरनेशनल मानकों की अवहेलना की अनुमति नहीं दी जा सकती। दुनिया के देशों के सामने एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आपसी संघर्ष अब कुछ घंटों या दिनों में समाप्त



होने वाला नहीं रह गया है। शक्तिशाली रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका उदाहरण है तो हमारा इजरायल संघर्ष भी इसी दिशा में बढ़ता हुआ उदाहरण है। एक समय था जब यह माना जाने लग था कि भविष्य के युद्ध चंद घंटों के होंगे लेकिन वह मिथक पूरी तरह से टूट गया है। ऐसे में वसुधैव कुटुम्बकम् का भारतीय संदेश ही सही मायने में कारगर हो सकता है। इसी में शांति और सद्भावना का संदेश छिपा है। इसी में मानवता की भलाई है।